PROCEEDINGS

DEPARTMENTY OF SOCIOLOTY
UNIVERSITY COLLEGE OF SOCIAL SCIENCES & HUMANITIES
MOHANLAL DUKHADIA UNIVERSITY, UDIPUR (RAJASTHAN)
INTERNATIONAL CONFERENCE
ON
EMERGING CHALLENGES OF SANITATION WORKERS
IN URBANISED SOCIETIES
FEBRUARY 27-28, 2014

निष्कर्ष एवं सुझाव

समाज शास्त्र विभाग, सामाजिक एवं मानविकी महाविद्यालय, मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय, उदयपुर के तत्वाधान में आईसीएसएसआर, नई दिल्ली के सौजन्य से Emerging Challenges of Sanitation Workers in Urbanised Societies विषय पर एक अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी 27–28 फरवरी, 2014 को आयोजित की गई जिसका कि सफल समापन हुआ । इस संगोष्ठी में 38 शोध पत्रों का वाचन किया गया और लगभग 250 प्रतिभागियों ने भाग लिया।

उद्घाटन कार्यक्रम : 27–02–2014

उद्घाटन सत्र	:	समय प्रातः 10.30 बजे
मुख्य अतिथि	:	**श्री गोपाल कोटिया** महासचिव, अम्बेडकर विकास समिति, उदयपुर
अध्यक्ष	:	प्रो. शरद श्रीवास्तव अधिष्ठाता, सामाजिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय, उदयपुर
विशिष्ट अतिथि	:	**डॉ. अरुण चौहान** जिला समन्वयक, निर्मल भारत अभियान, उदयपुर
मुख्य वक्ता	:	**प्रो. सी.एल. शर्मा** समाज शास्त्र विभाग, सामाजिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय, मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय, उदयपुर **प्रो. मोनिका नागोरी,** अध्यक्ष, समाज शास्त्र विभाग, सामाजिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय,मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय, उदयपुर

प्रो. पूरण मल यादव
आयोजन सचिव, सामाजिक विज्ञान एवं मानविकी
महाविद्यालय,मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय, उदयपुर

समापन कार्यक्रम : 28–02–2014

समापन सत्र	:	समय 12.00 बजे
मुख्य अतिथि	:	**माननीय प्रो. आई.वी. त्रिवेदी** कुलपति, मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय, उदयपुर
अध्यक्ष	:	**प्रो. फरीदा शाह** संकाय अध्यक्ष (सामाजिक), सामाजिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय,मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय, उदयपुर
विशिष्ट अतिथि	:	**प्रो. एम.एच. मकवाना** गुजरात विश्वविद्यालय, अहमदाबाद
विशिष्ट अतिथि	:	**प्रो. अशोक ठाकुर** चण्डीगढ़ विश्वविद्यालय, पंजाब
मुख्य वक्ता	:	**प्रो. मोहन आडवानी** अध्यक्ष, राजस्थान समाजशास्त्र संघ एवं प्रोफेसर समाज शास्त्र विभाग, सामाजिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय,मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय, उदयपुर **प्रो. मोनिका नागोरी,** अध्यक्ष, समाज शास्त्र विभाग, सामाजिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय,मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय, उदयपुर **प्रो. पूरण मल यादव** आयोजन सचिव, सामाजिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय,मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय, उदयपुर

कार्यक्रम

तकनीकी सत्र प्रथम	:	दिनांक 27.02.2014 समय 1.30 – 2.30
अध्यक्ष	:	**प्रो. बलवीर सिंह** समाज शास्त्र विभाग,सामाजिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय,मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय, उदयपुर
मुख्य वक्ता	:	**प्रो. रमेश एच. मकवाना** सरदार वल्लभ भाई पटेल विश्वविद्यालय, आनंद, गुजरात
मुख्य वक्ता	:	**प्रो. ज्योति उपाध्याय** विक्रम विश्वविद्यालय, उज्जैन (म.प्र.)
रिर्पोटियर	:	**डॉ. राजू सिंह** समाजशास्त्र विभाग, सामाजिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय,मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय, उदयपुर
तकनीकी सत्र द्वितीय	:	दिनांक 27.02.2014 समय 3.30 – 4.30
अध्यक्ष	:	**प्रो. मृदुला त्रिवेदी** राजकीय मीरा कन्या महाविद्यालय, उदयपुर
मुख्य वक्ता	:	**प्रो. पी.सी. जैन** राजकीय महाविद्यालय, सागवाड़ा (डूंगरपुर)
मुख्य वक्ता	:	**प्रो. सीमा भारद्वाज** राजकीय हरिदेव जोशी कन्या महाविद्यालय,बांसवाड़ा
मुख्य वक्ता	:	**प्रो. एस. के. मिश्रा** जनार्दन राय नागर राजस्थान विद्यापीठ डीम्ड विश्वविद्यालय, उदयपुर
रिर्पोटियर	:	**डॉ. सुमित्रा शर्मा** समाजशास्त्र विभाग, सामाजिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय, मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय, उदयपुर

तकनीकी सत्र तृतीय	:	दिनांक 28.02.2014 समय 9.00 – 10.15
अध्यक्ष	:	**प्रो. मधुसुदन त्रिवेदी** श्रमजीवी महाविद्यालय उदयपुर
मुख्य वक्ता	:	**प्रो. एम.एच. मकवाना** गुजरात विश्वविद्यालय, अहमदाबाद
मुख्य वक्ता	:	**प्रो. एस.के. कटारिया** लोक प्रशासन विभाग, सामाजिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय, मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय, उदयपुर
रिर्पोटियर	:	**श्रीमती संगीता अठवाल** समाजशास्त्र विभाग, सामाजिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय, मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय, उदयपुर
तकनीकी सत्र चतुर्थ	:	दिनांक 28.02.2014 समय 10.30 – 11.30
अध्यक्ष	:	**प्रो. बी.आर.एस. वर्मा** जनार्दन राय नागर राजस्थान विद्यापीठ (डीम्ड) विश्वविद्यालय, उदयपुर
मुख्य वक्ता	:	**प्रो. के.एन. व्यास,** जय नारायण व्यास विश्वविद्यालय, जोधपुर
मुख्य वक्ता	:	**प्रो. प्रदीप त्रिखा** अंग्रेजी विभाग, सामाजिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय, मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय, उदयपुर
रिर्पोटियर	:	**डॉ. राजू सिंह** समाजशास्त्र विभाग, सामाजिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय, मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय, उदयपुर

विभिन्न तकनीकी सत्रों में इन बिन्दुओं पर चर्चा की गई :–

1. Drinking water and urban society
2. Waste water and urban society
3. Open Defecation in urban society
4. Low cost toilet option in urban society
5. Role of Municipal Corporation for sanitation
6. Role of community on sanitation
7. Researches on Sociology of Sanitation
8. Sanitation structure in urban setting
9. Sociologist and sanitation
10. Contributions of Sulabh International to Sociology of sanitation

शहरी क्षेत्र के सफाई कर्मियों के समक्ष उभरती चुनौतियां विषयक अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में यह विषय उभरकर आया कि शहरों में सफाई कर्मियों में शिक्षा का प्रचार–प्रसार होने के बावजूद स्वरोजगार का अभाव है, साथ ही सफाई कर्मियों और गैर सफाई कर्मियों में भी समरसता की भी आवश्यकता है क्योंकि इसके अभाव में कई बार आपसी संघर्ष की स्थिति भी बन जाती है । संविधान ने तो छुआछूत जैसी कुरुतियों को समाप्त कर दिया है, इसके बावजूद ये लोग आज भी सामाजिक तौर पर पूरी तरह घुलमिल नहीं पाये हैं । इनके साथ जातिगत आधार पर भेदभाव किया जाता है और इनके कार्यों को निम्न स्तर का मानकर छुआछुत की जाती है। जिसके कारण इनका मानसिक विकास नहीं हो पा रहा है। और आज भी ये भारतीय सामाजिक व्यवस्था में निचले पायदान पर ही हैं। इन्हीं लोगों में सक्षम लोग अक्षम लोगों का शोषण करते हैं । इनके उत्थान के लिये हम सभी को प्रयास करना चाहिए और सामाजिक व्यवस्था में समरसता लाने के लिये सभी को चिन्तन मनन करना चाहिए। हमारी सोच में बदलाव लाना चाहिए कि यह वर्ग भी अपनी सामाजिक व्यवस्था का एक अंग है, एक इकाई है और जब तक सभी इकाईयों का समान रूप से विकास नहीं होता तब तक सर्वांगीण विकास की धारणा केवल एक सपना बन कर रह जाऐगी। आज सफाई कर्मियों को समाज की मुख्य धारा से जोड़ने की जरुरत है । वर्तमान में सफाई कर्मी भी शिक्षित हैं लेकिन हमारी प्राचीन व्यवस्थाओं के चलते उन्हें समाज में उचित स्थान नहीं दिया जाता । उन्हें समाज का निम्नतम पायदान मानते हुए

अलग बर्ताव किया जाता है । यही कारण है कि आज समाज में बदलाव की जरुरत है। यदि कोई गन्दगी साफ करता है तो, उसे समाज में अपवित्र नहीं माना जाना चाहिए, ये भी व्यवस्था के हिस्से हैं । समाज हित में इतना बड़ा योगदान देने वालों के साथ उचित व्यवहार नहीं होकर आए दिन नई समस्याऐं खड़ी हो जाती हैं । महिला सफाई कर्मियों का विकास पुरुषों के मुकाबले कम हो रहा है । उच्च शिक्षा पाने एवं उंचे पदों पर खड़े हो जाने के बावजूद समाज के कुछ लोग उन्हें हेय दृष्टि से ही देखते हैं । अभी भी इस वर्ग का जीवन स्तर, आर्थिक स्थिति व स्वास्थ्य स्तर निम्न ही है जिसे सुधारा जाना चाहिये । आजादी के 67 साल बाद भी हम इसे दूर नहीं कर पाये हैं । इसका मतलब दोष हममें ही है और हमारी व्यवस्था में भी । भविष्य में शहरीकरण बढ़ने के साथ ही सफाई कर्मियों की समस्याऐं विकराल रुप ले रही हैं । इन समस्याओं को दूर करने के लिए समाज और सरकार को मिल कर कार्य करना चाहिए ।